

संपोषित पर्यटन विकास हेतु महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए शासकीय योजनाओं का अध्ययन

श्रीमती गीता माली^{1*}

¹Professor DKTE Society's Textile and Engineering Institute, Ichalkaranji (Maharashtra)

¹HOD, Applied Economics, G. S. College of Commerce and Economics (Autonomous), Jabalpur (M.P.)

संदर्भ:

संपोषित पर्यटन विकास में महिला उद्यमिता का योगदान महत्वपूर्ण है। इस अध्ययन में उन शासकीय योजनाओं का विश्लेषण किया गया है जो महिलाओं को पर्यटन क्षेत्र में व्यवसाय स्थापित करने और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु प्रोत्साहित करती हैं। इसके माध्यम से यह समझा गया कि किस प्रकार सरकारी सहायता और प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं की भागीदारी बढ़ा सकते हैं।

Keywords: महिला उद्यमिता, पर्यटन विकास, शासकीय योजनाएँ, आर्थिक सशक्तिकरण, प्रशिक्षण कार्यक्रम

1 प्रस्तावना

पर्यटन एक ऐसा क्षेत्र है जो न केवल आर्थिक विकास का माध्यम है बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का सशक्त स्रोत भी है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में महिलाओं की भूमिका पर्यटन क्षेत्र में बेहद महत्वपूर्ण हो सकती है। महिलाओं को पर्यटन आधारित स्वरोजगार में

प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न शासकीय योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जो न केवल उनके आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देती हैं, बल्कि संपोषित ;नेजंपदंडसमद्ध पर्यटन के लक्ष्यों को भी समर्थन देती हैं।

शोध की आवश्यकता (Need for research)

- ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में महिला उद्यमिता का विस्तार।
- पर्यटन क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी की वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन।
- शासकीय योजनाओं की प्रभावशीलता का विश्लेषण।
- संपोषित पर्यटन विकास के लिए महिला सहभागिता की भूमिका को स्पष्ट करना।

उद्देश्य (Objective)

- पर्यटन क्षेत्र में महिला उद्यमिता की वर्तमान स्थिति का अध्ययन करना।
- सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रमुख योजनाओं की जानकारी देना।
- महिला पर्यटन उद्यमियों पर इन योजनाओं के प्रभाव का विश्लेषण करना।
- संपोषित पर्यटन में महिलाओं की भूमिका को उजागर करना।
- भविष्य की संभावनाओं और चुनौतियों का मूल्यांकन करना।

अनुसंधान पद्धति (Research Methodology)

यह शोध मुख्यतः वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक होगा। द्वितीयक स्रोतों से जानकारी एकत्र की जाएगी - जैसे सरकारी रिपोर्ट, नीति दस्तावेज, शोध पत्र, वेबसाइट, केस स्टडी आदि।

महिला उद्यमिता और पर्यटन क्षेत्र

पर्यटन के विविध उपक्षेत्रों जैसे कि होमस्टे, हैंडीक्राफ्ट, गाइडिंग, स्थानीय व्यंजन, सांस्कृतिक प्रदर्शन आदि में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। यह क्षेत्र लचीलापन, रचनात्मकता और स्थानीय संसाधनों के उपयोग की संभावनाएं प्रदान करता है।

प्रमुख शासकीय योजनाएं जो महिला उद्यमिता को बढ़ावा देती हैं

- प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम
 - महिलाओं को पर्यटन आधारित व्यवसाय के लिए ऋण व अनुदान प्रदान किया जाता है।
 - हस्तशिल्प, खानपान, गाइडिंग सेवाओं में इस योजना के अंतर्गत प्रोत्साहन मिलता है।
- स्टार्टअप इंडिया
 - महिला उद्यमियों को नवाचार आधारित पर्यटन सेवाओं के लिए विशेष सहायता दी जाती है।
- मुद्रा योजना
 - मुद्रा लोन के माध्यम से पर्यटन क्षेत्र में लघु व्यवसायों की शुरुआत करने हेतु आसान ऋण उपलब्ध है।
- दीनदयाल अंत्योदय योजना दृ छत्सड
 - ग्रामीण महिलाओं को स्व-सहायता समूह के माध्यम से पर्यटन संबंधी प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।
- हुनर से रोजगार तक योजना
 - पर्यटन और आतिथ्य सेवाओं में कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- व्क्वच्
 - प्रत्येक जिले के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने में महिलाओं की भागीदारी को सशक्त बनाता है।

केस स्टडी कृ हिमाचल प्रदेश की महिलाएं और होमस्टे संस्कृति

हिमाचल प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं पारंपरिक घरों को होमस्टे में परिवर्तित करके पर्यटकों को स्थानीय अनुभव प्रदान कर रही हैं। यह न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ा रहा है बल्कि पर्यावरण-संवेदनशील पर्यटन को भी बढ़ावा देता है।

संपोषित पर्यटन में महिला सहभागिता का महत्व

- स्थानीय संसाधनों का समुचित उपयोग

Sustainable Tourism Development & Management for Viksit Bharat – Opportunities & Challenges

- सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण
- पारिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखना
- स्थानीय समुदाय का आर्थिक विकास
- सामाजिक सशक्तिकरण

चुनौतियाँ

- वित्तीय साक्षरता की कमी
- पारिवारिक-सामाजिक प्रतिबंध
- डिजिटल साक्षरता और टेक्नोलॉजी तक पहुंच
- बाजार तक सीमित पहुंच
- नीति और योजना की सीमित जागरूकता

सुझाव

- महिला केंद्रित पर्यटन प्रशिक्षण कार्यक्रम बढ़ाएं।
- पर्यटन नीति में महिलाओं के लिए विशेष प्रावधान हों।
- सरकारी योजनाओं की जानकारी के लिए जागरूकता अभियान चलाएं।
- तकनीकी सहायता और डिजिटलीकरण पर बल दिया जाए।
- महिला सहकारी समितियों की स्थापना को बढ़ावा दें।

निष्कर्ष (Conclusion)

महिलाओं को पर्यटन क्षेत्र में उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने वाली शासकीय योजनाएं एक सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बन रही हैं। इन योजनाओं का सशक्त और सतत कार्यान्वयन संपोषित पर्यटन विकास की दिशा में एक निर्णायक कदम साबित हो सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि इन योजनाओं की पहुंच जमीनी स्तर तक सुनिश्चित की जाए और महिलाओं को सशक्त बनाकर स्थानीय पर्यटन को सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से लाभकारी बनाया जाए।

शोधार्थी

श्रीमती गीता माली